https://www.facebook.com/sabgurunews/
https://www.sabguru.com/
https://www.youtube.com/channel/UCCdLl90UP-prqTinNwqLIX7g/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

वर्ष 1 | अंक 9 | अजमेर, बुधवार 25 अक्टूबर 2023 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

विजयदशमी पर्व 2023- अजमेर के पटेल मैदान में अहंकारी रावण कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन। शहरवासियों ने धूमधाम से मनाया दशहरा।

सम्पादकीय

भारतीय सनातन संस्कृति का विस्तार भारतीय समाज ही कर सकता है

प्राचीनकाल में भारत का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस खंडकाल में समस्त प्रकार की गतिविधियां चाहे वह सामाजिक क्षेत्र में हों सांस्कृतिक क्षेत्र में हों आर्थिक क्षेत्र में हों अथवा किसी भी अन्य क्षेत्र में हों वह भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए ही सम्पन्न की जाती थीं। समाज में किसी भी प्रकार के कर्म को धर्म से जोड़कर ही किया जाता था एवं अर्थ को भी धर्म से जोड़ दिया गया था। कर्म अर्थ एवं धर्म मिलकर मानव को मोक्ष प्राप्त करने की ओर प्रेरित करते थे। सामान्यतः राष्ट्र के नागरिकों में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं के बराबर ही रहती थी और समस्त नागरिक आपस में मिलकर हंसी खुशी अपना जीवन यापन करते थे। सतयुग में ज्ञान शक्तिए त्रेता युग में मंत्र शक्ति, द्वापर युग में युद्ध शक्ति एवं कलयुग में संगठन शक्ति को प्रधानता दी गई है। परंतु त्रेता युग में भी भगवान राम ने वानर सेना सहित समाज को संगठित करते हुए असुरी शक्तियों पर विजय प्राप्त करने में सफलता हासिल की थी एवं रावण का संहार किया था। द्वापर युग में भी महाभारत का युद्ध पांडवों ने संगठन भाव के कारण एक उद्देश्य को सामने रखकर जीता था। जबकि कौरवों की सेना के महारथी अपने व्यक्तिगत संकल्पों प्रतिज्ञा एवं प्रतिशोधों के लिए लड़े और युद्ध हारे थे।

इसी प्रकार कलयुग में कालांतर में जब छोटे छोटे राज्य स्थापित होने लगे तब इन राज्यों के बीच आपस में संगठन का स्पष्ट तौर पर अभाव दृष्टिगोचर होने लगा और वे आपस में ही लड़ने लगे थे। संगठन का अभाव एवं सनातन संस्कृति के छूटने के कारण ही आक्रांता के रूप में मुगलों एवं अंग्रेजों को भारत के छोटे छोटे राज्यों पर अपना आधिपत्य स्थापित करने में कोई बहुत अधिक कठिनाई नहीं हुई थी। कलियुग में हिंदू समाज में संगठन शक्ति के जागरण के उद्देश्य से वर्ष 1925 में विजय दशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार ने की थी। जो आज अपने 98 वर्ष पूर्ण कर एक विशाल वट वृक्ष के रूप में हमारे सामने खड़ा है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज पूरे विश्व में सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन माना जाता है। संघ का मुख्य कार्य स्वयंसेवकों में राष्ट्र भाव जागृत करना एवं समाज में सामाजिक समरसता स्थापित करना है। संघ द्वारा शाखाओं के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास किया जाता है। इन शाखाओं में स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज में जाकर सामाजिक समरसता का भाव विकसित करने का प्रयास करते हैं एवं देश के नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना जागृत करते हैं। इस प्रकार भारतीय समाज को संगठित करने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शाखाओं एवं स्वयंसेवकों के माध्यम से किया जा रहा है।

सरदारपुरा में पिछले 40 वर्ष से मिल रहा है लोगों का प्यार - अशोक गहलोत

जोधपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि जोधपुर के सरदारपुरा क्षेत्र में उन्हें पिछले करीब 40 सालों से लोगों का प्यार और आर्शीवाद मिल रहा हैं और यही उनकी ताकत है।आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में फिर से जोधपुर के सरदारपुरा से पार्टी उम्मीदवार घोषित होने के बाद अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे गहलोत ने अपने चुनाव प्रचार के दूसरे दिन मीडिया से यह बात कही। दो दिनों में उनके स्वागत के लिए जिस तरह लोग उमड़ रहे हैं और उत्साहित हैं उससे खुश मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे उन्हें शगुन मिला है और अब वह इस शगुन को लेकर प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे।उन्होंने दशहरे पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह भाग्यशाली है कि जब पहली बार सांसद बने तब से क्षेत्र में लोगों का आशीर्वाद मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह छोटे बच्चों में जो उत्साह दिख रहा है और उनमें मेरे प्रति जो भाव एवं प्यार हैं यह पिछले 40 सालों से चला आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों का उनके प्रति प्यार, दुलार एवं आशीर्वाद है और उनका आशीर्वाद होगा तभी तो मैं चुनाव में प्रचार कर पाऊंगा। उन्होंने कहा कि जोधपुरवासियों से प्यार एवं दुलार है और मतदाताओं से पूछ लिया गया है कि उनका आशीर्वाद हो तो वह चुनाव प्रचार के लिए अन्य जगहों पर जाएं यहां के लोगों ने यह ईजाजत दे दी और अब वह प्रदेश के अन्य हर क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे।उन्होंने कहा कि सरदारपुरा क्षेत्र में इन दो दिनों करीब करीब सभी जगहों कवर कर लिया गया है और कुछ स्थान रह गए उन्हें बाद में बीच में कभी आकर कवर किया जाएगा लेकिन इन दो दिन में उन्हें जो प्यार एवं शगुन मिला है उसे लेकर वह पूरे प्रदेश में जाएंगे।

गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश में सुशासन देने के साथ कानून पास किए और एक से बढ़कर एक कई ऐतिहासिक योजनाएं दी है जिनका प्रदेश के लोगों को फायदा और राहत पहुंची है। उन्होंने कहा कि उनकी कांग्रेस सरकार का हर कदम गरीब, दलित एवं पिछड़ों के लिए हैं चाहे वे किसी भी वर्ग के हो। गरीब को गणेश मानकर काम किया जा रहा हैं।

प्रचार में लोगों के उमड़ने से काफी खुश नजर आ रहे गहलोत ने सोशल मीडिया पर भी कहा कि हर दिल की आवाज़, अबकी नया रिवाज़। उन्होंने कहा कि काम किया है दिल से इसीलिए विधानसभा क्षेत्र सरदारपुरा के हर दिल से बस यही आवाज़ सुनाई दी कि कांग्रेस फिर से।

उन्होंने कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र सरदारपुरा में मिल रहा लोगों का यह अपनापनए प्यार और सद्भाव ही उनके जीवन का ईंधन है उन्होंने कहा कि सरदारपुरा की मिट्टी की सोंधी सुगंध हमेशा अव्वल राजस्थान की सौगंध को मजबूती देती है। उन्होंने वार्ड संख्या 80 में लोगों से बचत, राहत एवं बढ़त के लिए कांग्रेस को मत देने का अनुरोध किया।

इससे पहले उन्होंने सरदारपुरा स्थित मंडोर गेस्ट हाउस में वार्ड संख्या 79 के लोगों की कुशलक्षेम जानी और इस दौरान बुजुर्गों युवाओं एवं सभी वर्गों से हाथ पर बटन दबाकर अव्वल राजस्थान पर मुहर लगाने का आग्रह किया।

श्री मसाणिया भैरव धाम पर शारदीय नवरात्रा मेला महोत्सव में आस्था का सैलाब

सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं -चम्पालाल महाराज

अजमेर। श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर आयोजित शारदीय नवरात्रा मेला महोत्सव के अंतिम दिन श्रद्धालुओं का रैला उमड़ पड़ा। देश.प्रदेश के नवमीं की रात से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। बाबा भैरव व मां कालिका के जयघोष के साथ मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज ने मनोकामना पूर्ण स्तम्भ बाबा भैरव व मां कालिका की आरती की तथा 10 दिन तक चली अखण्ड ज्योति का विधिवत समापन किया।धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि मंदिर परिसर को दुल्हन की तरह विशेष फूलों से सजाया गया जिससे धाम परिसर खुशबू से महक उठा। गुलाबी और दूधिया रोशनी से प्रांगण जगमगाता रहा। धाम पर पंजाब प्रान्त से आए नरेन्द्र तूर व तुषार ने अपनी टीम के साथ चम्पालाल महाराज का पंजाबी पगड़ी पहनाकर व कृपाण भेंट कर भव्य स्वागत सत्कार किया गया।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महाराज कहा कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। जो भी भक्त सच्ची आस्था के साथ धाम पर आता है वह अवश्य ही कुछ ना कुछ पाकर जाता है। महाराज ने श्रद्धालुओं से नशे को त्याग करने तथा अधिक से अधिक रक्तदान करने को कहा। अखण्ड ज्योति समापन के पश्चात धाम पर आए श्रद्धालुओं को विशेष रामबाण औषधि रूपी चिमटी ;भभूत का वितरण किया गया। धाम पर यह अखण्ड ज्योति 9 दिन तक निरन्तर प्रज्ज्वलित रही। अखण्ड ज्योति की विशेषता यह है कि जिस पात्र में इसको प्रज्ज्वलित किया जाता है उसमें हजारों नारियल की चिटक, कई पीपे तेल व धूप हवन सामग्री ड़ालने पर भी यह पात्र कभी भरता नहीं है इस अखण्ड ज्योति के दर्शन मात्र से श्रद्धालुओं के रोग कष्ट व बाधाएं आदि दूर हो जाती हैं। धाम पर आए श्रद्धालुओं ने सर्वधर्म मनोकामना पूर्ण स्तम्भ की विशेष परिक्रमा कर बाबा भैरव से मन्नत मांगी। नवमीं की रात भजन गायिका ज्योति सैनी व ममता सोनी की मधुर आवाज में भैरू जी नाना रे नाना, दरबार है निराला काली के लाल का अब तो आजा रे भैरू जीए मैया रानी तो छिप रही पहाड़ा मे आजा ये भवानी राजगढ मे लाग्यो दरबार झीणी झीणी उडे रे गुलाल आदि भजनों को सुनकर मंत्रमुग्ध होकर झूम झूम कर नाचने लगे।

राजगढ़ गांव की और से चढाया झंड़ा

राजगढ़ धाम पर शारदीय नवरात्रा मेला महोत्सव के समापन समारोह से पूर्व नवमी की रात गांव राजगढ़ वासियों की और से प्रेम सिंह गौड़ के नेतृत्व में ढोल ढमाको पर नाचते गाते बाबा भैरव नाथ व मां कालिका के झंड़ा चढाया गया। झंडे का जुलूस रात 8 बजे ग्राम राजगढ़ सदर बाजार से प्रारम्भ हुआ। चक्की वाले बाबा के मंदिर पर धोक लगाने के बाद मुख्य मंदिर सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ पर चल रही अखण्ड ज्योति स्थल पर रात 11.30 बजे पहुंचे।धाम पर प्रेम सिंह गौड़ के नेतृत्व में कमल नागौरा, श्याम सेन, कमल शर्मा, गणपत सिंह, सलीम, कुलदीप, बलराम, पांचू माली, हरी माली, सदानन्द विश्वासए रामदेव माली, मोनू गुर्जर, भाचन्द माली, मुकेश खीची, आदि राजगढ़ ग्रामवासियों की ओर से मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज का साफा बांधकर व शॉल ओढाकर भव्य स्वागत किया गया।

श्री नवदुर्गा माता मंदिर में नवरात्र महोत्सव

नौसर माता मंदिर देवी जागरण भक्ति गीत की बही रसधार, मंत्र मुग्ध हुए भक्त

अजमेर। शारदीय नवरात्र की नवमीं को पुष्कर घाटी स्थित नौसर माता मंदिर में सुबह से देर रात तक देवी के नौ रूपों का दिव्य दर्शन करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। अजमेर में यह एकमात्र ऐसा माता मंदिर है जिसके गर्भग्रह में नवदुर्गा के रूप में नौ प्रतिमाएं स्थापित हैं।सोमवार दोपहर 2 बजे श्री नवदुर्गा माता मंदिर शक्ति पीठ के पीठाधीश रामा कृष्णा देव के सान्निध्य में विशेष पूजन के बाद हवन की पूर्णाहुति हुई। नवमीं की शाम को दिव्य महाआरती के बाद जागरण का आयोजन किया गया।शारदीय नवरात्र महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भजन संध्या में सुभाष भट्ट एवं अन्य गायकों ने गणेश जी की वंदना के साथ जो भजन जो खेल गए प्राणों के श्रीराम के लिए ओ देव भवानी महारे आंगणिए रम जाओ कीर्तन की रात है माता आज थाने आणो है मां के करम से सुहानी रात आई है तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए जैसे माता रानी के भजनों की झडी लगा दी। आधी रात तक चली भजन संध्या में भावविभोर होकर भक्तजन भी खूब नाचे।

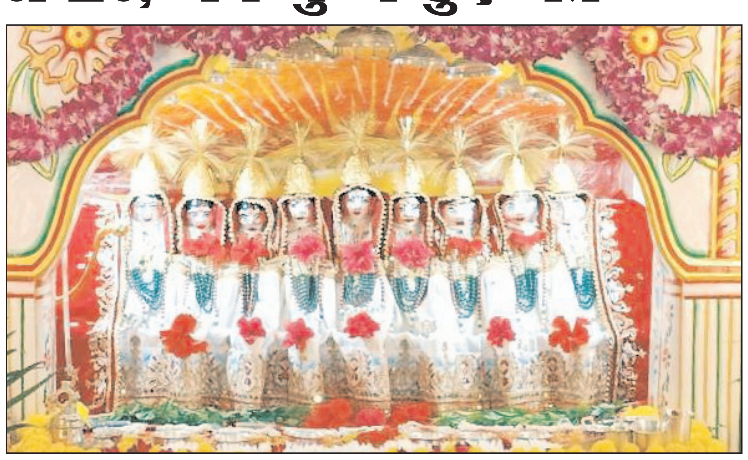

ब्यावर से आई माता रानी की विशाल चूनरी

नवरात्र की नवमीं को हर बार की तरह इस बार भी ब्यावर के भक्तों की ओर से 12 चूनरियों को जोडकर बनाई गई ओढनी माता को अर्पण की गई। इस दौरान मंदिर माता के जयकारों से गूंज उठा। महिलाओं ने परंपरागत गीत गाए। नवरात्र महोत्सव के उपलक्ष्य में फूलों की लडियों से की गई सजावट ने सबका मन मोह लिया। समूचा मंदिर परिसर रंग बिरंगी लाइटों से जगमगा रहा था।

दिव्य महाआरती बडी सहित भक्तजन मौजूद रहेशाम को ढोल नगाडों की गूंज के बीच दिव्य महाआरती में बडी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। मंदिर में बजने वाली घंटियों से पुष्कर घाटी गूंज उठी। विशाल भंडारे में सभी ने प्रसादी ग्रहण की। व्यवस्थापक मनोज गुप्ता, सेवादार सूरज अजमेरा, छैल सिंह चुंडावत, सुदर्शन गुप्ता, जयपुर वाले अजय शर्मा, संजय खडकट्ट आदि ने नवरात्र महोत्सव की व्यवस्था में सहयोग किया।

नसीराबाद में कौन होगा रामस्वरूप लाम्बा का सियासी प्रतिद्वंद्वी

नसीराबाद। भाजपा की दूसरी सूची में नसीराबाद विधानसभा प्रत्याशी का नाम घोषित कर दिया गया वहीं प्रदेश कांग्रेस की दूसरी सूची में भी नसीराबाद को लेकर किसी की उम्मीदवारी पर मुहर नहीं लगी है। कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी घोषणा में की जा रही देरी के चलते अफवाहों का बाजार भी गर्म हो रहा है।सूत्रों की माने तो नसीराबाद से कांग्रेस का उम्मीदवार गुर्जर परिवार से ही होगा। मुख्य रूप से तीन नामों को लेकर कांग्रेसी खेमे में सुगबुगाहट चल रही है जिनमे पूर्व विधायक रामनारायण गुर्जर पीसीसी महासचिव एवं पूर्व विधायक महेंद्र सिंह गुर्जर तथा श्रीनगर पंचायत समिति प्रधान कमलेश गुर्जर शामिल हैं।ऐसे में भाजपा प्रत्याशी लांबा का चुनावी प्रतिद्वंदी कौन होगा यह प्रश्न कांग्रेस की अगली सूची आने तक अनुत्तरित रहेगा। भाजपा ने जब 41 विधानसभा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की तो कई विधानसभा क्षेत्रों में अधिकृत प्रत्याशियों का जमकर विरोध देखने को मिला। ऐसे में भाजपा शीर्ष नेतृत्व को सोचने पर मजबूर होना पड़ा।परिणम यह हुआ कि दूसरी सूची में परिवर्तन को नजरअंदाज करते हुए जीत की मंजिल तक पहुंचाने वाले उम्मीदवारों को प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। नसीराबाद विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी के रूप में रामस्वरूप लांबा की भी लॉटरी लग गई।उधर प्रदेश कांग्रेस में अब भी नसीराबाद विधानसभा प्रत्याशी ऐलान को लेकर पसोपेस की स्थिति में है। यही वजह है कि पहली और दूसरी सूची में नसीराबाद सीट के लिए प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया। सूत्र बताते हैं कि पूर्व में नसीराबाद विधानसभा से कांग्रेस की प्रत्याशी के लिए रूप में कई नामों पर विचार किया गया। अब बात सिर्फतीन नामों पर जा टिकी है। दीगर बात यह है कि तीनों ही नाम गुर्जर परिवार से हैं। इन्हीं पर कांग्रेस का दारोमदार टिका हुआ है।खबर लिखे जाने तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी नहीं की ना ही नसीराबाद के लिए प्रत्याशी की घोषणा की गई है। बहरहाल अफवाहों का बाजार गर्म है। बतादें की पूर्व में भाजपा के रामस्वरूप लांबा ने नसीराबाद के पूर्व कांग्रेस विधायक रामनारायण गुर्जर को बड़े अंतर से हराया था।वहीं दूसरी तरफपूर्व विधायक एवं पीसीसी महासचिव महेंद्र सिंह गुर्जर रामस्वरूप लांबा के पिता स्वर्गीय प्रो सांवरलाल जाट से एक बार चुनाव जीते और एक बार हारे। इस बार कांग्रेस श्रीनगर पंचायत समिति प्रधान कमलेश गुर्जर को भी प्रत्याशी के रूप में चुनावी अखाड़े में उतार सकती है। ऐसा होता है तो नसीराबाद विधानसभा में रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

जवान हनुमानराम जाट का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

अजमेर। राजस्थान में अजमेर जिले के निवासी एवं सेना के जवान हनुमानराम जाट का मंगलवार को उनके पैतृक गांव अमरापुरा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।दो सप्ताह पहले सिक्किम में आई बाढ़ की चपेट में आए जवान हनुमान राम जाट का शव सिलीगुड़ी में बरामद होने के बाद सुबह उनके पैतृक गांव अमरापुरा पहुंचा जहां अन्तिम दर्शन के बाद राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम संस्कार किया गया। जाट को उनके पांच वर्षीय पुत्र यश ने मुखाग्नि दी।इससे पहले जाट का पार्थिव शरीर गांव पहुंचने पर अमरापुरा में माहौल गमगीन हो गया। गांव एवं आस पास लोगों ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी। इस दौरान सेना के अधिकारी एवं जवान मौजूद थे।

Legendary Indian cricketer Bishan Singh Bedi dies at 77

The iconic Indian cricketer, Bishan Singh Bedi, passed on 23 October at the age of 77. His recent passing at the age of 77 has left an indelible void in the hearts of cricket enthusiasts across the globe. Throughout his career, Bedi received numerous accolades and recognitions. He was awarded the prestigious Arjuna Award in 1967, the Padma Shri in 1970, and the Padma Bhushan in 2001 for his invaluable contributions to Indian cricket.Bishan Singh Bedi's demise has left a void in the cricketing world that can never be filled. His graceful style, unwavering sportsmanship, and dedication to the game have left an enduring impact on the world of cricket. As we mourn the loss of this cricketing legend, we also celebrate his extraordinary life and contributions to the sport we all love.

As we remember and honor Bishan Singh Bedi, we are reminded of the greatness of this cricketing legend, a man whose legacy will continue to inspire cricketers and cricket enthusiasts for generations to come.

विदेशी ताकतें मणिपुर में शांति के प्रयास विफल करने में लगीं हैं -भागवत

आरएसएस मुख्यालय में वार्षिक विजयादशमी उत्सव

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं में विदेशी ताकतों और दक्षिण पूर्वी एशिया की भू.राजनीति की भूमिका है जो संघर्षरत दोनों पक्षों के लोगों की शांति के प्रयासों को विफल करने के लिए कोई न कोई हादसा करवा रहीं हैं। डॉ. भागवत ने यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में वार्षिक विजयादशमी उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस वर्ष विजयादशमी के उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक पद्मश्री शंकर महादेवन शामिल हुए।सरसंघचालक ने अपने भाषण में मणिपुर हिंसा के साथ ही जी.20 समूह में मानव केन्द्रित विकास पर सहमति बनने एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन एवं पदकों का कीर्तिमान बनने हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं एवं इस क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता स्वदेशी विकास पथ पर चलने फिज़ूलखर्ची बंद करने तथा देश का रोजगार बढ़े व देश का पैसा देश में ही काम आएए विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. भागवत ने मणिपुर हिंसा के कारणों की समीक्षा करते हुए कहा कि मणिपुर की वर्तमान स्थिति को देखते हैं तो यह बात ध्यान में आती है।

लगभग एक दशक से शांत मणिपुर में अचानक यह आपसी फूट की आग कैसे लग गई क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमापार के अतिवादी भी थे् अपने अस्तित्व के भविष्य के प्रति आशंकित मणिपुरी मैतेयी समाज और कुकी समाज के इस आपसी संघर्ष को सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास क्यों और किसके द्वारा हुआ। वर्षों से वहां पर सबकी समदृष्टि से सेवा करने में लगे संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास करने में किसका निहित स्वार्थ हैघ् इस सीमा क्षेत्र में नागाभूमि और मिजोरम के बीच स्थित मणिपुर में ऐसी अशांति एवं अस्थिरता का लाभ प्राप्त करने में किन विदेशी सत्ताओं को रुचि हो सकती हैघ् क्या इन घटनाओं की कारण परंपराओं में दक्षिण पूर्व एशिया की भू. राजनीति की भी कोई भूमिका हैघ्देश में मजबूत सरकार के होते हुए भी यह हिंसा किन के बलबूते इतने दिन बेरोकटोक चलती रही हैघ् गत नौ वर्षों से चल रही शान्ति की स्थिति को बरकरार रखना चाहने वाली रा'य सरकार होकर भी यह हिंसा क्यों भड़की और चलती रहीघ् आज की स्थिति में जब संघर्षरत दोनों पक्षों के लोग शांति चाह रहे हैं उस दिशा में कोई सकारात्मक कदम उठता हुआ दिखते ही कोई हादसा करवा कर फ़िर से विद्वेष और हिंसा भड़काने वाली ताकतें कौन सी हैंघ्सरसंघचालक ने कहा कि समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता रहेगी। इस हेतु जहां राजनीतिक इच्छाशक्ति तदनुरूप सक्रियता एवं कुशलता समय की मांग है वहीं इसके साथ.साथ दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति के कारण उत्पन्न परस्पर अविश्वास की खाई को पाटने में समाज के प्रबुद्ध नेतृत्व को भी एक विशेष भूमिका निभानी होगी। संघ के स्वयंसेवक तो समाज के स्तर पर निरंतर सबकी सेवा और राहतकार्य करते हुए समाज की सज्जनशक्ति का शांति के लिए आह्वान कर रहे हैं। सबको अपना मानकर सब प्रकार की कीमत देते हुए समझाकर सुरक्षित व्यवस्थित सद्भाव से परिपूर्ण और शान्त रखने के लिए ही संघ का प्रयास रहता है।

उन्होंने कहा कि समाज विरोधी कुछ लोग अपने आपको सांस्कृतिक मार्क्सवादी या जगे हुए कहते हैं। परंतु मार्क्स को भी उन्होंने 1920 दशक से ही भुला रखा है। विश्व की सभी सुव्यवस्थाए मांगल्य संस्कार तथा संयम से उनका विरोध है। मुट्ठी भर लोगों का नियंत्रण सम्पूर्ण मानवजाति पर होए इसलिए अराजकता व स्वैराचरण का पुरस्कारए प्रचार एवं प्रसार करते हैं। माध्यमों तथा अकादमियों को हाथ में लेकर देशों की शिक्षा, संस्कार, राजनीति व सामाजिक वातावरण को भ्रम व भ्रष्टता का शिकार बनाना उनकी कार्यशैली है। आपसी झगड़ों में उलझकर असमंजस व दुर्बलता में फंसा व टूटा हुआ समाज, अनायास ही इन सर्वत्र अपनी ही अधिसत्ता चाहने वाली विध्वंसकारी ताकतों का भक्ष्य बनता है।

उन्होंने कहा कि मंत्र विप्लव का सही उत्तर तो समाज की एकता से ही प्राप्त होना है। हर परिस्थिति में यह एकता का भान ही समाज के विवेक को जागृत रखने वाली वस्तु है। संविधान में भी इस भावनिक एकता की प्राप्ति एक मार्गदर्शक तत्व के नाते उल्लेखित है। हर देश में इस एकता के भाव को पैदा करने वाला अपना.अपना धरातल अलग.अलग रहता है। हमारा यह देश एक राष्ट्र के नाते एक समाज के नाते विश्व के इतिहास के सारे उतार चढ़ाव पार कर आज भी अपने भूतकाल के सूत्र से अविछिन्न सम्पर्क बनाए रखकर जीवित खड़ा है।डॉ.भागवत ने कहा कि यूनान, मिस्र, रोम सब मिट गए जहां से अब तक मगर है बाक़ी नामो निशां हमारा। कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारीए सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहां हमारा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में विद्यमान सभी भाषा, प्रान्त, पंथ, संप्रदाय, जाति, उपजाति इत्यादि विविधताओं को एक सूत्र में बाँधकर एक राष्ट्र के रूप में खड़ा करने वाले तीन तत्व मातृभूमि की भक्तिए पूर्वज गौरव व सबकी समान संस्कृति हमारी एकता का अक्षुण्ण सूत्र हैं।

सरसंघचालक ने भारत की सर्वसमावेशक संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के बाहर के लोगों की बुद्धि चकित हो जाए मन आकर्षित हो जाए ऐसी एकता की परंपरा हमारी विरासत में हमको मिली है। उसका रहस्य क्या है निरूसंशय वह हमारी सर्व समावेशक संस्कृति है। पूजा, परंपरा, भाषा, प्रान्त, जातिपाती इत्यादि भेदों से ऊपर उठकर, अपने कुटुंब से संपूर्ण विश्वकुटुंब तक आत्मीयता को विस्तार देने वाली हमारी आचरण की एवं जीवन जीने की रीति है।उन्होंने जी.20 की भारत की अध्यक्षता में प्राप्त सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि जी.20 में अर्थ केंद्रित विचार अब मानव केंद्रित हो गया है। हमारा देशए जी.20 नामक प्रमुख राष्ट्रों की परिषद का यजमान रहा। वर्षभर सदस्य राष्ट्रों के राष्ट्र प्रमुखए मंत्रीगणए प्रशासक तथा मनीषियों के अनेक कार्यक्रम भारत में अनेक स्थानों पर सम्पन्न हुए। भारतीयों के आत्मीय आतिथ्य का अनुभव भारत का गौरवशाली अतीत तथा वर्तमान की उमंगभरी उड़ान सभी देशों के सहभागियों को प्रभावित कर गई। अफ्रीकी संघ को सदस्य के नाते स्वीकृत कराने में तथा पहले ही दिन परिषद का घोषणा प्रस्ताव सर्व सहमति से पारित करने में भारत की प्रामाणिक सद्भावना तथा राजनयिक कुशलता का अनुभव पाया। भारत के विशिष्ट विचार एवं दृष्टि के कारण संपूर्ण विश्व के चिंतन में वसुधैव कुटुम्बकम् की दिशा जुड़ गई। जी.20 का अर्थ केन्द्रित विचार अब मानव केन्द्रित हो गया।

एशियाई खेलों में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे भारतीयों का गौरव व आत्मविश्वास बढ़ा है। हमारे देश के खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में पहली बार 100 से अधिक दृ 107 पदक ;28 स्वर्णए 38 रजत तथा 41 कांस्यद्ध जीतकर हम सब का उत्साहवर्धन किया है। उनका हम अभिनन्दन करते हैं।

उन्होंने वैज्ञानिक उपलब्धियों के बारे में कहा कि हमारे वैज्ञानिकों के शास्त्रज्ञान एवं तन्त्र कुशलता के साथ नेतृत्व की इच्छाशक्ति जुड़ गई। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष युग के इतिहास में पहली बार भारत का विक्रम लैंडर उतरा। समस्त भारतीयों का गौरव आत्मविश्वास बढ़ाने वाला यह कार्य सम्पन्न करने वाले वैज्ञानिक तथा उनको बल देने वाला नेतृत्व संपूर्ण देश में अभिनंदित हो रहा है।अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण के विषय में सरसंघचालक ने कहा कि संविधान की मूल प्रति के एक पृष्ठ पर जिनका चित्र अंकित हैए ऐसे धर्म के मूर्तिमान प्रतीक श्रीराम के बालक रूप का मंदिर अयोध्या जी में बन रहा है। श्रीराम अपने देश के आचरण की मर्यादा के प्रतीक हैंए कर्तव्य पालन के प्रतीक हैंए स्नेह एवं करुणा के प्रतीक हैं। अपने.अपने स्थान पर ही ऐसा वातावरण बने। श्री राम मंदिर में श्रीरामलला के प्रवेश से प्रत्येक हृदय में अपने मन के राम को जागृत करते हुए मन की अयोध्या सजे व सर्वत्र स्नेहए पुरुषार्थ तथा सदभावना का वातावरण उत्पन्न हो ऐसेए अनेक स्थानों पर परन्तु छोटे छोटे आयोजन करने चाहिए।भारतीय इतिहास के महापुरुषों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि अस्मिता एवं ष्स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वालीए उद्यमए साहसए धैर्यए बुद्धिए शक्ति व पराक्रम के साथ.साथ अपनी प्रशासन कुशलता और प्रजाहित दक्षता के लिए आदर्शभूत महारानी दुर्गावती का 500वाँ जयंती वर्ष है। भारतीय महिलाओं के सर्वगामी कर्तृत्व नेतृत्व क्षमताए उज्ज्वल शील तथा जाज्वल्य देशभक्ति की वह देदीप्यमान आदर्श थीं। इसी तरह से छत्रपति शाहू जी महाराज अपनी प्रजाहित दक्षता तथा प्रशासनपटुता के साथए सामाजिक विषमता के जड़मूल से निर्मूलन के लिए जीवनभर अपनी संपूर्ण शक्ति लगाने वाले कोल्हापुर ;महाराष्ट्र के शासक छत्रपति शाहूजी महाराज का यह 150वां जयंती वर्ष है।उन्होंने तमिलनाडु के संत श्रीमद् रामलिंग वल्लुलार का जिक्र करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता की अलख अपने जीवन के यौवनकाल से ही जगाना प्रारंभ किया, गरीबों के अन्नदान कार्यक्रम हेतु जिनका सुलगाया हुआ पहला चूल्हा आज भी तमिलनाडु में प्रदीप्त है और अपना काम कर रहा हैए ऐसे तमिल संत श्रीमद् रामलिंग वल्लुलार का 200वाँ वर्ष इसी महीने सम्पन्न हो गया। स्वतंत्रता के साथ.साथ समाज की आध्यात्मिक सांस्कृतिक जागृति तथा सामाजिक विषमता के सम्पूर्ण निर्मूलन के लिए वे जीवनभर कार्य करते रहे।हिमालयी क्षेत्र के बारे में उन्होंने कहा कि हिमालय के क्षेत्र में हिमाचल और उत्तराखंड से लेकर सिक्किम तक लगातार प्राकृतिक आपदाओं का प्राणांतिक खेल हम देख रहे हैं। भविष्य में किसी गंभीर व व्यापक संकट का पूर्वाभास इन घटनाओं के द्वारा हो रहा होए ऐसी शंकाओं की चर्चा भी है। देश की सीमा सुरक्षाए जल सुरक्षा तथा पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिए भारत की उत्तर सीमा को निश्चित करने वाला यह क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण हैए किसी भी कीमत पर सर्वथा रक्षणीय है। सुरक्षा, पर्यावरण, जन सांख्यिकी व विकास की दृष्टि से इस पूरे क्षेत्र को एक इकाई मानकर हिमालय क्षेत्र का विचार करना होगा।स्वदेशी विकास पर बल देने पर जोर देते हुए कहा कि अधूरी, निपट जड़वादी तथा पराकोटि की उपभोगवादी दृष्टि पर आधारित विकास पथों के कारणए मानवता व प्रकृति धीरे.धीरे परंतु निश्चित रूप से विनाश की ओर अग्रसर हो रही है। संपूर्ण विश्व में यह चिंता बढ़ी है। उन असफल पथों को त्याग कर अथवा धीरे.धीरे वापिस मोड़कर भारतीय मूल्यों पर तथा भारत की समग्र एकात्म दृष्टि पर आधारित काल सुसंगत व अद्यतनए अपना अलग विकास पथ भारत को बनाना ही पड़ेगा। यह भारत के लिए सर्वथा उपयुक्त तथा विश्व के लिए भी अनुकरणीय प्रतिमानक बन सकेगा। उपनिवेशी मानसिकता से मुक्त होकर अपने देश में जो है उसको युगानुकूल बनाते हुए हम अपना स्वष् आधारित स्वदेशी विकासपथ अपनाएँ यह समय की आवश्यकता है।

डॉ.भागवत ने देश का पैसा देश में ही काम आए का आह्वान करते हुए कहा कि वर्ष 2025 से 2026 का वर्ष संघ के 100 वर्ष पूरे होने के बाद का वर्ष है। सभी क्षेत्रों में संघ के स्वयंसेवक कदम बढ़ाएंगे। समाज के आचरण में उच्चारण में संपूर्ण समाज और देश के प्रति अपनत्व की भावना प्रकट हो। मंदिर. पानी,श्मशान में कहीं भेदभाव बाकी है तो वह समाप्त हो।परिवार के सभी सदस्यों में नित्य मंगल संवादए संस्कारित व्यवहार व संवेदनशीलता बनी रहे बढ़ती रहे व उनके द्वारा समाज की सेवा होती रहे। सृष्टि के साथ संबंधों का आचरण अपने घर से पानी बचाकर प्लास्टिक हटाकर व घर आँगन में तथा आसपास हरियाली बढ़ाकर हो। स्वदेशी के आचरण से स्व. निर्भरता व स्वावलंबन बढ़े फिज़ूलखर्ची बंद हो। देश का रोजगार बढ़े व देश का पैसा देश में ही काम आए।सरसंघचालक ने कहा कि हमारे अमर राष्ट्र के नवोत्थान का प्रयोजन क्या है। समाज की एकता, सजगता व सभी दिशा में निस्वार्थ उद्यम, जनहितकारी शासन व जनोन्मुख प्रशासन स्व् के अधिष्ठान पर खड़े होकर परस्पर सहयोगपूर्वक प्रयासरत रहते है तभी राष्ट्र बल वैभव सम्पन्न बनता है।इस अवसर पर पद्मश्री शंकर महादेवन ने उन्हें विजयादशमी उत्सव में आमंत्रित किए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सिर्फ धन्यवाद कर सकता हूं। हमारे अखंड भारत का जो विचार है हमारी संस्कृतिए हमारी परंपराओं को बचाकर रखने में इस देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोगों से 'यादा किसी और का योगदान नहीं है। हमारी संस्कृति और परंपरा की रक्षा में आप सभी का योगदान अतुलनीय है।उन्होंने कहा कि जब मैं स्वयंसेवकों को देखता हूं वो देश में कोई भी घटना होए कोई भी संकट हो जब जरूरत है वो भी पीछे खड़े होकर खामोशी से अपने देश के लिए काम करते हैं तो अगर हम कहेंगे कि हमारा देश एक गीत है तो हमारे स्वयंसेवक उसके पीछे की सरगम हैं। जो गीत को जान देते हैं।महादेवन ने कहा कि इस वक्त मैं ऐसा महसूस कर रहा हूँ। विश्व भर में भारत और भारतीय नागरिक को पूरा विश्व सम्मान की नजरों से देखने लगा है। इसलिए मैं कहता हूं कि जहां भी होए जहां भी जाओ जब भी जाओ सर उठाकर गर्व से कहो मैं भारत का नागरिक हूं।

अजमेर कलेक्ट्रेट पर तिरंगे संग फहराया संयुक्त राष्ट्र संघ का झंडा

अजमेर। प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी मंगलवार 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस मनाया गया। इसके अन्तर्गत नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहरा जाने वाले भवनों पर इस दिन संयुक्त राष्ट्र के ध्वज को भारतीय राष्ट्र ध्वज के साथ फहराया गया। अजमेर कलेक्ट्रेट पर भी तिरंगे संग संयुक्त राष्ट्र संघ का झंडा फहरता नजर आया।

सिन्धी मातृशक्ति सम्मेलन आगामी फरवरी में भीलवाड़ा में होगा

अजमेर। भारतीय सिन्धु सभा राजस्थान की ओर से अजमेर संभाग के भीलवाड़ा में अगले वर्ष फरवरी में राज्य स्तरीय सिन्धी मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। अजमेर में सिन्धु सभा की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रदेश महामंत्री ईश्वर मोरवानी ने कहा कि भाषा के अलग अलग कोर्स से भाषा का ज्ञान हो रहा है और महापुरूषों के जीवन परिचय के साथ त्योहारों की चर्चा के साथ जानकारी हो रही है।अजमेर महानगर कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय हासीबाई धर्मशाला में संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष ;युवा दीपेश सामनाणी एवं प्रचार मंत्री मूलचंद बसताणी ने सम्बोधित किया। प्रदेशाध्यक्ष ;महिला शोभा बसंताणी ने कहा कि आगामी फरवरी में प्रदेश स्तरीय महिला सम्मेलन भीलवाडा में आयोजित किया जाएगा जिसमें मुख्य रूप से गुरयाणीए मुख्याणी व नियाणी सम्मिलित होंगी।राष्ट्रीय मंत्री महेन्द कुमार तीर्थाणी ने बताया कि दिसम्बर में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के साथ राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर से सभा के पदाधिकारी, सिन्धी पंचायत व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सम्मिलित होगें। सभा की ओर से पारित प्रस्तावों पर चर्चा होगी।

अजमेर जिले में सवा तीन लाख से अधिक नगदी जब्त

अजमेर। राजस्थान में अजमेर जिले की श्रीनगर थानापुलिस ने अलग अलग कार्यवाही में तीन लाख 28 हजार 300 रूपए जब्त किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीनगर पुलिस ने विधानसभा चुनाव की सघन चैकिंग के दौरान मंगलवार को मोटरसाइकिल सवार मुकेश गुर्जर ;30 निवासी कानपुरा थाना श्रीनगर ;अजमेर से 78 हजार 300 रूपए तथा कार सवार देवेंद्र नोगिया ;36 निवासी बादंनवाड़ा थाना भिनाय ;केकड़ी से दो लाख 50 हजार रूपए जब्त किए है। पुलिस ने बताया कि नगदी के विषय में दोनों ही कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस कारण नगदी जब्त कर ली गई।

विजयादशमी पर अजमेर शहर में 10 स्थानों से निकले संघ के पथ संचलन

मार्ग में जगह.जगह पुष्प वर्षा से स्वागत

अजमेर। हमे संघ द्वारा समाज और राष्ट्र की उन्नति का कार्य करने के लिए और अधिक समय देना होगा। देश को वैभव के शिखर पर ले जाना है। भारत का अर्थ समझे तो यह है भाष् यानी ज्ञान और ब्रत यानी लीन। आज पूरा विश्व भारत को देख रहा है और भारत संघ को। इसलिए आवश्यकता है समाज का नेतृत्व खड़ा करने कीए परिणामकारी कार्य करने की।विजयादशमी उत्सव शक्ति का महापर्व है। इस उत्सव का पौराणिक महत्व अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में जाना जाता है। इसी दिन प्रभु श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त की थीए भगवान शिव ने नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की थी और उसके बाद शक्ति की स्वरूप मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कियाए अज्ञातवास के बाद विजयादशमी के दिवस पर ही पांडवों ने अपने अस्त्र बाहर निकाले और उनका पूजन किया था।संघ के संस्थापक डॉ हेडगेवार ने बहुत विचार किया इस बिंदु पर की इतना वैभवशाली इतिहास होने के बाद भी हिंदू अपमानित क्यों हुआ, हमारा समाज पराभूत क्यों हुआ इस पर गहन विचार करने के बाद समाज को शक्तिसंपन्न बनाने के उद्देश्य से उन्होंने सन 1925 में विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना की। आज 98 वर्ष की यात्रा में विश्व में जहांदृजहां भी हिंदू हैं वहां संघ पहुंच गया है। डॉक्टर हेडगेवार ने चरितार्थ किया कि विचारों की क्रांति दूरगामी परिणाम लाती है।वीर सावरकर ने कहा था कि जब देश संकट में हो और लोग दूर खड़े होकर तमाशा देखें तो यह शत्रुओं को आनंदित करता है। हमें भारत की आराधना करनी होगी भारत को शक्ति सम्पन्न बनाना होगाए ऐसा कर पाने पर हमारे शत्रुओं की कभी हिम्मत नहीं होगी कि हमारी ओर आंख भीं उठा कर देख सकें। दूसरों के जयगान से भारत का हित नहीं हो सकता। हमें अपनी शक्ति को पहचानना होगा और इसके लिए संघ के नेतृत्व में अपने कार्य का विस्तार करना होगा। हमें आसपास दिखाई देने वाली समस्याओं का अध्ययन कर उनका समाधान करना होगा। हमारे आसपास की बस्तियों में धर्मांतरण का कार्य तेजी से चल रहा है अतः इसे रोकने के लिए हमें अपनी बस्तियोंध्उपबस्तियों में संघ की शाखाएं खड़ी करनी होगीए हर घर में एक स्वयंसेवक होना चाहिए। यह समझना पड़ेगा कि कौन देश के साथ खड़ा है और कौन देश के विरुद्ध हजारों वर्षों से भारत भूमि संघर्षरत रही है। इसकी अस्मिताए आत्मविश्वास और संस्कृति को छिन्न भिन्न करने के कई प्रयास हुए। सुभाष चन्द्र बोसए लोकमान्य बालगंगाधर तिलकए चन्द्र शेखर आजाद और गुरु गोविंद सिंहए डॉण् केशव बलिराम हेडगेवार जैसे अनेकों महापुरुषों ने भारत भूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।सामाजिक समरसताए सामाजिक सुरक्षाए सामाजिक सम्बल की बात कही और आव्हान किया की समाज विरोधी ताकतों द्वारा फैलाये जा रहे भ्रामक विमर्श को समाज को समझना होगा और उसका जवाब भी देना होगाए समाज की जागरूकता ही मज़बूत राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

चाणक्यनगर समेत 10 स्थानों पर निकले पथ संचलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अजयमेरू महानगर द्वारा शहर में 10 स्थानों पर विजयादशमी उत्सव एवं संचलन किया गया। सभी उत्सव में अतिथियों ने शस्त्र पूजन किया। इसके पश्चात् शारीरिक प्रदर्शन दंड, नियुद्ध समता, पदविन्यास, सामूहिक समता,दंडयुध, पताका योग एवं दंड योग का प्रदर्शन हुआ। अवतरण,काव्यगीत एवं बौद्धिककर्त्ता का उद्बोधन हुआ। संघ की प्रार्थना के बाद पथ संचलन प्रारम्भ हुए संचलन मार्ग में जगह-जगह समाज जनों एवं सामाजिक संगठनों की ओर से पुष्प वर्षा कर भारत माता की जयकारों के साथ पथ संचलन का स्वागत किया।चाणक्यनगर के स्वयंसेवकों का पथसंचलन कैलाशपुरी स्थित मैदान में शस्त्रपूजन कार्यक्रम के पश्चात हुआ। स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में पथसंचलन में भाग लिया। पथ संचलन कैलाशपुरी कृष्ण गंज की विभिन्न गलियों से होता हुआ पुनरू कैलाशपुरी पहुंचा। मार्ग में जगह जगह धर्मप्रेमियों ने स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया।

घर के इंटीरियर की चिंता खत्म जय एंटरप्राइजेज है ना

अजमेर। अगर आप अपने घर को आधुनिक लुक देना चाहते हैं तो अब सजावटी सामग्री खरीदने के लिए अब दूर जाने की जरूरत नहीं हैं। आपके अपने शहर की पंचशील कॉलोनी के बी ब्लाक में जय एंटरप्राइजेज में हर वैरायटी का सजावटी सामान उपलब्ध है।प्रोपराइटर सुरेन्द्र जांगिड ने बताया कि अजमेर स्मार्ट सिटी बन चुका है। महानगरों की तरह लोगों की सोच भी बदल रही है। हर व्यक्ति अपने घर में सुविधाएं जुटाए के साथ साथ घर के लुक को लेकर भी संजीदा नजरिया रखते हैं। परंपरागत ट्रेंड बदल रहा है। नए ट्रेंड के अनुरूप घर भी वेल फर्नीशड होना जरूरी हो गया है।ऐसे में हमारे यहां घर को संवारने के लिए आवश्यक विभिन्न कलर और डीजाइन के वॉलपेपर, फ्लोरिंग, मेटल आट, पेंटिंग, वर्टीकल ग्रास, मैटींग समेत इंटीरियर के आइटम उपलब्ध्ध हैं। हम नए भवन निर्माण नए निर्माण की प्लानिंग, नक्शे, सुविधाजनक फर्नीचर, वास्तुदोष निवारण समेत अनेक सेवाएं भी देंगे।

विधानसभा आम चुनाव 2023 जब्ती के संबंध में कमेटी गठित

अजमेर। राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 के तहत बिना किसी एफआईआर एवं कम्पलेन्ट के नकदी और कीमती सामान कोषागार अथवा मालखाने में रखने के उदाहरणों के दृष्टिगत जनता की शिकायतों के निवारण के लिए प्रदत्त निर्देशों के अनुसरण में अजमेर जिले के लिए जिला शिकायत समिति का गठन किया गया है।जिला व्यय अनुवीक्षण समिति के नोडल अधिकारी ;संयोजक एवं उपायुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण सूर्यकान्त शर्मा ने बताया कि पुलिस उडनदस्ता अथवा स्थैतिक निगरानी दल द्वारा की गई जब्ती के प्रत्येक मामले की स्वतः जांच समिति करेगी।

नसीम अख्तर को कांग्रेस का टिकट श्रीगोपाल बाहेती को मिला ठेंगा

अजमेर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी समझे जाने वाले अजमेर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्रीगोपाल बाहेती पुष्कर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी टिकट ना मिलने से खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। ऐसे में उनके भीतर बगावत का जोश क्या गुल खिलाएगा यह अभी समय के गर्त में छिपा है।

बतादें कि पुष्कर विधानसभा सीट से दो बार चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष नसीम अख्तर को पार्टी टिकट से नवाजा गया है। इधर नसीम को टिकट मिलते ही कांग्रेस में विरोध की चिंगारी भडक उठी। पूर्व विधायक बाहेती ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस से पुष्कर से टिकट बदलने की मांग की है। उन्होंने साफकिया है कि टिकट नहीं बदलने पर कार्यकर्ताओं.जनता की सलाह पर वे चुनाव मैदान में उतरेंगे।पुष्कर विधानसभा क्षेत्र से डॉ. बाहेती साल 2003 में विधायक रह चुके हैं। कांग्रेस ने पीसीसी

उपाध्यक्ष नसीम अख्तर को लगातार तीसरी बार पुष्कर से प्रत्याशी बनाया है। जबकि वे 2013 और 2018 में भाजपा प्रत्याशी सुरेश रावत से चुनाव हार चुकी हैं। डॉ. बाहेती ने इसको लेकर विरोध जताया है।

उल्लेखनीय है कि डॉक्टर गोपाल बाहेती अजमेर उत्तर से चुनाव लड़ने के चक्कर में पुष्कर विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर आए थे। अजमेर से वे चुनाव हार गए। इस बार उन्होंने पुष्कर से फिर चुनाव लड़ने का मानस बनाया हुआ था। टिकट ना मिलने से उनके सपने टूट गए। ऐसे में सपना सच करने के लिए निर्दलीय चुनाव लड़ना ही एकमात्र रास्ता बचा है।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें

मो. +91 98879087277, 7737385114
Email ID sabgurunews@gmail.com

अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर
कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277